"बेहद शब्द के स्वरूप में स्थित होना, यही फर्स्ट और लास्ट का पुरूषार्थ है।"

- AM 03.12.2017

28 दिन के लियें 28 बेहद महावाक्य

01. बेहद का बाप
02. बेहद की स्थिति
03. बेहद की बुद्धि,
04. बेहद की दृष्टि,
05. बेहद की वृत्ति,
06. बेहद के सेवाधारी
07. बेहद के स्थान / घर

---

08. फर्स्ट और लास्ट
    a. बेहद देही स्वरूप
    b. फरिश्ता स्वरूप
09. पुरूषार्थ और प्राप्ति
10. लक्षण और लक्ष्य
11. स्मृति और समर्थी

---

12. एक मेरा बाबा, दूसरा न कोई इस **बेहद के मेरे** में अनेक मेरा समाना
13. बेहद का फालो फादर
    a. नोट करना
    b. भाषण करना
    c. पार जाना

---

14. बेहद की जगत मातायें
15. बेहद की जग कल्याणकारी

---

16. बेहद के चमकते हुए अविनाशी सितारे
17. बेहद के उड़ता पंछी
18. बेहद के सुहागिन
19. बेहद के अधिकारी

20. बेहद का गिफ्ट / वरदान
21. बेहद की विशेषताये
22. बेहद के पहला स्टैप
23. बेहद के प्लान्स
24. बेहद की भावना और श्रेष्ठ कामना
25. बेहद के अनुभवी (बुजुर्ग)
26. बेहद स्नेह के भण्डार
27. बेहद के महावीर (तन्दुरूस्त)

28. बेहद की अखुट और अविनाशी कमाई